दैनिक भास्कर - 18/05/2015 (Page I)

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर 9 राज्य, 60 जिले, 2500 गांवों से होकर गुजरेगा

रोज बचेगा 321 करोड़ का डीजल

संभवतः ये इस दशक की सबसे बड़ी खुशखबरी है। अगले एक या दो वर्ष के भीतर देश भर की सड़कों से करीब दो लाख ट्रक कम हो जाएंगे। लगभग 3 अरब 21 करोड़ 38 लाख 40 हजार रुपए के डीजल की हर रोज बचत शुरू हो जाएगी। मुंबई से दिल्ली जैसे सबसे बड़े मालवाही रूट पर माल पहुंचने में जहां अभी 12 से 15 दिन लगते हैं वहीं ये समय सिर्फ 24 घंटे का रह जाएगा।

ये सब कुछ बदलाव होने वाला है एक महापरियोजना डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर यानी डीएफसीसी की बदौलत। एक ऐसा प्रोजेक्ट, जो माल ढोने के सबसे बड़े कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जा रहा है। यह देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएगा। दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर 2017 में तैयार हो जाएगा। यह जापान के सहयोग से तैयार हो रहा है। पटरियां जापान से आनी शुरू हो चुकी हैं। जयपुर में बने डिपो में उतारी जा रही हैं। इस रूट पर सबसे बड़ा लाभ राजस्थान के हिस्से में आया है। अजमेर में दौराई में बड़ा रेलवे स्टेशन बन रहा है। सब कुछ समय पर हुआ तो मानकर चलिए देश की तरक्की में चार चांद लग जाएंगे।

क्या होगा

2 लाख ट्रक देश की सड़कों से हट जाएंगे

डीजल की खपत में 20 से 30 प्रतिशत की भारी कमी आएगी

100 किमी प्रतिघंटा की स्पीड से चलेंगी ट्रेनें

4 पटरियां हो जाएंगी पूरे रूट में

2017 में तैयार हो जाएगा दिल्ली-मुंबई कॉरिडोर

एक भी रेलवे फाटक नहीं होगा मुंबई से दिल्ली तक

योगेश सारस्वत | अजमेर

डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसीसी) की पटरियां बिछने को तैयार हैं। पटरियां जापान से आनी शुरू हो गई हैं। जयपुर डिपो में ये उतारी जा रही हैं। डीएफसीसी के चारों कॉरिडोर पूरे होने पर देश के कुल डीजल की खपत में 20 से 30 प्रतिशत की भारी कमी आएगी। तेल कंपनियों के सूत्रों के मुताबिक देश में रोजाना 28 करोड़ लीटर डीजल की खपत है। इस कॉरिडोर के साथ-साथ दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (डीएमआईसी) का काम भी शुरू हो चुका है। यह कॉरिडोर उत्पादन देगा और डीएफसीसी उसे ढोकर वांछित जगहों पर पहुंचाएगा।

दोनों प्रोजेक्ट के शुरू होने के बाद देश की अर्थव्यवस्था में भारी बदलाव आएगा। अनुमान है कि देश की कुल जीडीपी में 1.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी इन दोनों प्रोजेक्ट्स से होगी। जापानी तकनीक पर आधारित मालगाड़ियां इस फ्रेट कॉरिडोर में 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ेंगी। इससे राष्ट्रीय राजमार्गों से ट्रेलर, टैंकर, ट्रक सहित अन्य भारी भार वाहनों का लोड कम होगा और राष्ट्रीय राजमार्गों पर होने वाले हादसों पर लगाम लगेगी।

वर्ष 2017 तक पूरा हो जाएगा काम

देश की अर्थव्यवस्था में 1 से 1.5 प्रतिशत जीडीपी ग्रोथ आ जाएगी। यह बहुत बड़ा परिवर्तन होगा। दिनभर चलने वाली मालगाड़ियों में 2 लाख ट्रक जितनी क्षमता का माल लाया- ले जाया जा सकेगा। वर्ष 2017 तक यह काम पूरा हो जाएगा।

- अनुराग शर्मा, चीफ प्रोजेक्ट मैनेजर, वेस्टर्न कॉरिडोर

फोटो लुधियाना (पंजाब) से दनकुनी (वेस्ट बंगाल) के प्रोजेक्ट का है।

मुंबई से दिल्ली 15 दिन में पहुंचने वाला माल 24 घंटे में पहुंच जाएगा

कॉरिडोर	लेंग्थ (किमी)	प्रोजेक्ट कॉस्ट (करोड़ में)
ईस्टर्न कॉरिडोर (सोननगर से दादरी वाया खुर्जा -लुधियाना)	1313	16,736
वेस्टर्न कॉरिडोर (जेएनपीटी मुंबई-दादरी वाया पालनपुर-अजमेर-फुलेरा-रींगस-रेवाड़ी)	1484	25,495

डीएफसीसी की आगामी परियोजना

देश के एक कोने से दूसरे कोने तक बिछेगा जाल

- **पूर्व-पश्चिम गलियारा** कोलकाता से मुंबई की 2000 किमी
- **उत्तरी-दक्षिण गलियारा** दिल्ली-चेन्नई के बीच 2173 किमी
- **पूर्व-पश्चिम गलियारा** खड़गपुर-विजयवाड़ा की 1100 किमी
- **दक्षिणी गलियारा** चेन्नई-गोवा की 890 किमी

यानी देश के एक कोने से दूसरे कोने तक माल भेजना सुविधाजनक होगा।

321 करोड़ का डीजल ऐसे बचेगा

* अभी प्रति दिन 28 करोड़ लीटर यानी 1607 करोड़ रुपए के डीजल की होती है खपत।
* कॉरिडोर बनने के बाद 20 प्रतिशत यानी 321.40 करोड़ रुपए के डीजल की रोजाना होगी बचत (डीजल की वर्तमान दर 57.39 रुपए प्रति लीटर के अनुसार)

ये हैं प्रोजेक्ट की विशेषताएं

विश्व की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक

डीएफसीसी ऐसी परियोजना है जो सीधे देश की अर्थव्यवस्था में बड़ा बदलाव लाएगी। प्रोजेक्ट की शुरुआत 2006 में मनमोहन सरकार ने की थी। इंडियन रेलवे को ट्रांसपोर्टेशन (मालभाड़े) से 55 फीसदी से अधिक आय होती है। डीएफसीसी भी ट्रांसपोर्टेशन की नवीनतम तकनीकों में से है, इसके शुरू होते ही यह आय करीब 10 से 15 फीसदी तक बढ़ जाएगी। इसमें जापानी तकनीक पर आधारित मालगाड़ियों से एक राज्य से दूसरे राज्यों में माल का आदान प्रदान कम समय में हो सकेगा। पश्चिमी-पूर्वी कॉरिडोर 3287 किमी व पश्चिमी कॉरिडोर कुल 1483 किमी लंबा है, जिसमें हरियाणा, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र राज्य कवर होगा। जबकि पूर्वी कॉरिडोर की लंबाई 1804 किमी है। इसमें पंजाब, हरियाणा का पूर्वी इलाका, यूपी, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल शामिल है।

दोनों कॉरिडोर में डबल ट्रैक बिछाए गए हैं

दोनों कॉरिडोर में डबल ट्रैक बिछाए गए हैं जो कि पूरी तरह से विद्युतीय होंगे। इन पर 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मालगाड़ियां दौड़ेंगी। वर्तमान में मुंबई से दिल्ली आने वाले कंटेनर, ट्रेलर या ट्रक आने में 15 दिन लगते हैं। कॉरिडोर बनने के बाद महज 24 घंटे हो जाएगा।

रोजाना 2 लाख ट्रकों जितना माल इधर-उधर

मालगाड़ी में 100 से अधिक रैक होंगे। एक रैक पर दो कंटेनर के हिसाब से एक बार में 300 कंटेनर इधर से उधर भेजे जा सकेंगे। मालगाड़ी की लंबाई 1500 मीटर होगी। इसको यूं भी समझा जा सकता है कि डीएफसीसी के बाद रोजाना 2 लाख ट्रकों में लदकर जाने वाले माल जितना माल इधर-उधर भेजा जा सकेगा।